>

Title: Regarding the matters related to 16 castes in Uttar Pradesh.

अध्यक्ष महोदया : अब आप रहने दीजिए और इन्हें बोलने दीजिए, श्री राधे मोहन सिंह जी, आप बोलिये।

श्री राधे मोहन सिंह : अध्यक्ष महोदया, उत्तर प्रदेश की 16 जातियों के संबध में आपने मुझे जो बोलने का अवसर दिया है, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। ये जातियां जिनमें बिन्द, पूजापति, राजभर, गोंड, पाल, कुम्हार, कोहार, चौहान, केवट, निषाद, मल्लाह आदि आते हैं। जिनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति बेहद दयनीय है। 1952 में संविधान लागू होने के समय इन जातियों की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति अपनी मेहनत एवं परिश्रम के बल पर औसत थी। इसलिए 1952 में इन्हें अनुसूचित जाति में शामिल नहीं किया गया और आजाद भारत में दिन-प्रतिदिन इनकी आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति गिरती चली गई।

ये मेहनतकश जातियां जो स्वाभिमानी भी हैं, मेहनती भी हैं और सामाजिक सरोकार में देश को बनाने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 2003 में माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में इन जातियों की आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक दयनीय स्थिति को देखते हुये इनकी बेहतरी के लिये इन्हें अनुसूचित जाति में शामिल कर लिया और इन्हें अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र राज्य स्तर पर मिलने लगा। जो काम डा अम्बेडकर ने अनुसूचित जाति के लिए किया था, वही काम माननीय श्री मुलायम सिंह यादव ने इन जातियो के लिये किया था। लेकिन वर्तमान में उ.प्र. की मुख्यमंत्री कुमारी मायावती ने सता प्राप्त करते हुये इन्हें अनुसूचित जाति से निकाल दिया।

माननीय अध्यक्षा जी, जब देश गुलाम था तो इनकी स्थिति इतनी दयनीय नहीं थी। जब आजादी अपने हाथों में आयी तो दो भारत बने - एक अमीरों का भारत और दूसरा गरीबों का भारत। एक शहरों का भारत और दूसरा गांवों का भारत। मैं उस गांव वाले भारत का जिक्र करता हूं जिसमें इन 16 जातियों के लोग रहते हैं जिन्हें प्रभात होने पर डर लगता है। रोज़ इनकी मुश्किलें बढ़ती जाती हैं। एक कहावत है कि अगर औलाद कुलद्रोही हो तो इससे बेहतर निर्वंश ही है। आजादी इनके लिये एक खराब स्वप्न है, इससे बेहतर ये लोग गुलामी में थे। उन्हें उजाले से डर लगता है क्योंकि हर उजाला इनके लिये एक नई मुसीबत एक नये कष्ट के साथ आता है।

अध्यक्ष महोदया, मैं बुंदेलखंड की तरह कोई पैकेज नहीं मांग रहा हूं और न ही पूर्वांचल के लिये कोई पैकेज मांग रहा हूं। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि 2003 में इन 16 जातियों के लिये श्री मुलायम सिंह यादव जी की सरकार द्वारा लिये गये फैसले, जिन्हें वर्तमान में हटा दिया गया है, को केन्द्र सरकार द्वारा इन 16 जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने के फैसले को मंजूरी दें ताकि ये जातियां विकास के मार्ग पर चलने हेतु कम से कम खड़े तो हो सकें।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Now, Shri P. Karunakaran to speak.

श्री मंगनी लाल मंडल (झंझारपुर): मैं श्री राधे मोहन सिंह के कथन से सम्बद्ध करता हूं।

कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद (मुज़फ़्फ़रपुर): मैं श्री राधे मोहन सिंह के कथन से सम्बद्ध करता हूं।

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Only what Shri P. Karunakaran says will go on record.

(Interruptions) â€¦ *